

तापमान



अधिकतम 23.5 डिग्री
न्यूनतम 4.9 डिग्री

हरिभूमि हिसार भूमि

रोहतक, रविवार, 28 दिसंबर 2025

11
ढाणा कलां गांव
में 40 लाख की
विकास
परियोजनाओं...



12
राखीगढ़ी
महोत्सव में
सांस्कृतिक
विरासत का
जीवंत प्रदर्शन



SURAJ
EDUCATION

SURAJ

GROUP OF SCHOOLS



announces

Sunday

25

Jan. 2026

ADMISSION cum SCHOLARSHIP TEST

FOR CLASSES -
1st to 12th

All Campuses
at 11:00 am

OUR DOCTORS

 AIIMS Bilaspur NEHA Mrs. KRIPA & Mr. AMARJEET	 AIIMS Gorakhpur GAURAV Mrs. PRIYANKA & Mr. VISHNU	 AIIMS Vijaypur, Jammu MAYANK Mrs. PAVITA DEVI & Mr. DEV PRAKASH	 AIIMS Guwahati DEEPANSHU Mrs. PINKY DEVI & Mr. NAVEEN									
 AKANSHA Mrs. KUSUMLATA & Mr. JAI BHAGWAN	 PRIYANSHU Mrs. SANTOSH DEVI & Mr. DHIRU YADAV	 KHUSHI Mrs. POONAM DEVI & Mr. KULDEEP	 RUCHI Mrs. ANITA & Mr. PARVEEN	 DEEPIKA ANAND Mrs. SAVITA & Mr. VIKAS	 MEHA Mrs. SUNITA & Mr. AJAY	 NIKHIL Mrs. SANJU & Mr. RAKESH	 MANISH K SAINI Mrs. HORILAL SAINI	 RUBAAB KHAN Mrs. ANNAJ & Mr. MUSAQIB	 RIDHI GARG Mrs. REKHA & Mr. AJAY KUMAR GARG	 PRINCE Mrs. KRISHNA SHARMA & Mr. YOGESH K SHARMA	 SANEHA YADAV Mrs. PAVAN KUMARI & Mr. MUKESH KUMAR	 ADNAN Mrs. KHURSIDAN & Mr. MOHD IQBAL

OUR IITIANS

 IIT BANGALURU MANVIK K GUPTA Mrs. RATNA GUPTA & Mr. MANOJ K GUPTA	 IIT GUWAHATI ADITI YADAV Mrs. SUNITA KUMARI & Mr. KOMAL KUMAR	 IIT DHANBAD HIMANSHI Mrs. BIMALA DEVI & Mr. PAWAN	 IIT MANDI PUSHRAJ Mrs. PUSHPA YADAV & Mr. RAJKARAN	 IIT PATNA KARISHMA Mrs. SANJAY DEVI & Mr. PAWAN DAHIYA	 IIT ROPAD ADITYA KUMAR Mrs. SUNITA DEVI & Mr. JAIPAL SINGH	 IIT MANDI KALPANA Mrs. SONU & Mr. OMPRAKASH	 NIT ROURKELA IRFAN Mrs. SUSHIL & Mr. SHABIR MOHAMMAD	 IIT INDORE ATUL Mrs. SUNITA & Mr. RAJKUNAR PRAJAPATI	 IIT ROORKEE TEJAL Mrs. SHARDA & Mr. VIJAY CHAND BANSARA
 IIT BHU AYUSHI TIWARI Mrs. SUDHA TIWARI & Mr. VINOD TIWARI	 IIT ROORKEE TANUJ PAL Mrs. BEENA DEVI & Mr. SHIV DUTTA PAL	 IIT SONIPAT PIYUSH KUMAR Mrs. ASHA DEVI & Mr. MUKESH K MEENA	 IIT DHANBAD HIMANSHI Mrs. KAVITA & Mr. JAI SINGH	 IIT GUWAHATI AYUSH Mrs. MUKESH & Mr. RAVINDER	 DTU NIKHIL SHARMA Mrs. PINKI DEVI & Mr. AJAY SHARMA	 NIT KURUKSHETRA NISHTHA Mrs. NAMITA & Mr. PARVEEN KUMAR	 NSUT DELHI LUCKY SINGH YADAV Mrs. BIRNATI YADAV & Mr. GAJENDER S YADAV	 NIT KURUKSHETRA SHIVA Mrs. SUMAN & Mr. INDERPAL	 DTU AVIRAL Mrs. SHEEL KUMARI & Mr. AJAY KUMAR SINGH

सूरज के नवचयनित सीए

CA
INDIA
C.A Final
Examination

C.A.
INTERMEDIATE
Qualifiers

 GUNGUN Mrs. JYOTI DEVI & Mr. MOHAN LAL	 MONIKA Mrs. SUSHMA & Mr. ASHOK KUMAR	 ANIKET SHARMA Mrs. BABITA DEVI & Mr. GANWIKAS	 ASHISH AGARWAL Mrs. NAMITA DEVI & Mr. NARESH AGARWAL
 BADAL SINGH Mrs. REKHA DEVI & Mr. VIKRAM SINGH	 AMRITA CHAURASIA Mrs. SHEELAGRA CHAURASIA & Mr. AJAY CHAURASIA	 SOMAY YADAV Mrs. ASHA DEVI & Mr. OMVEER YADAV	 GAURAV YADAV Mrs. MANISHA & Mr. SURESH KUMAR
 ANURADHA GARG Mrs. RUCHI KATO & Mr. AMY GARG			

CSEET

 BHARTI Mrs. ASHA & Mr. ROHTASH	 ANSHIKA GUPTA Mrs. NEHA GUPTA & Mr. SHIV KASH GUPTA	 SALONI YADAV Mrs. POPIKA DEVI & Mr. RAHMSAJ YADAV
 HIMANSHI Mrs. POONAM & Mr. RAJ SINGH	 SIDHANU Mrs. SANGEETA & Mr. HARINDER YADAV	 TANU Mrs. SARITA YADAV & Mr. DHARMENDER

C.A. FOUNDATION

 YOGESH ROHILLA Mrs. REKHA & Mr. RAJESH KUMAR	 SHUBHAM SHARMA Mrs. RITU SHARMA & Mr. LAXMAN SINGH	 SAKSHI Mrs. SEENA DEVI & Mr. DEVENDER	 RASHI GARG Mrs. SANGEETA GUPTA & Mr. RAJESH GUPTA	 HARSH KUMAR Mrs. POONAM & Mr. ISHWAR YADAV	 RITIKA Mrs. RAKESH KUMARI & Mr. KARAN SINGH
 ASHU SHARMA Mrs. RENU & Mr. JASHWANT KUMAR	 ANJALI Mrs. SEENA BAL & Mr. DINESH KUMAR	 PRIYA Mrs. REKHA & Mr. SATISH KUMAR	 YOGESH Mrs. SAVITA KUMARI & Mr. RAJESH KUMAR	 KHUSHI Mrs. POONAM & Mr. RAJENDER SINGH	 AMISHA Mrs. SONIA RANI & Mr. SURENDER SINGH

**SURAJ SCHOOL
CAMPUSES**

**SURAJ SCHOOL
MAHENDERGARH**
BUCHOLI ROAD, MAHENDERGARH
Tel : 9992715599, 9992716699

**SURAJ SCHOOL
REWARI**
DELHI ROAD, REWARI
Tel : 9992111451, 9992555815

**SURAJ SCHOOL
KOSLI**
GUDIYANI ROAD, KOSLI
Tel : 9050735235, 9053539083

**SURAJ SCHOOL
BAWAL**
SECTOR-2, NEAR NH-8, BAWAL
Tel : 8222999801, 9416184252

**SURAJ SCHOOL
BHIWADI**
ALWAR ROAD, BHIWADI
Tel : 7230999911, 8222999802

**SURAJ SCHOOL
PATAUDI**
GURUGRAM ROAD, PATAUDI
Tel : 8814008822, 8607335533

**SURAJ SCHOOL
GURUGRAM**
SPR ROAD, SECTOR 75, GURUGRAM
Tel : 8222999803, 8222999804

**SURAJ SCHOOL
GURUGRAM**
SECTOR-56, GURUGRAM
Tel : 8745912222, 8745913333

**SURAJ SCHOOL
NARNAUL**
2ND MILE STONE, NARNAUL
Tel : 9053539071, 9053539072

**SURAJ SCHOOL
REWARI**
SECTOR-19, REWARI
Tel : 9992666855, 9992666877

**SURAJ SCHOOL
DHARUHERA**
SECTOR 24 - DHARUHERA
Tel : 9992111455, 9992111566

**SURAJ SCHOOL
MANESAR**
SECTOR-1 - MANESAR
Tel : 9992555966, 9992555967

**SURAJ SCHOOL
GURUGRAM**
SECTOR-52, GURUGRAM
Tel : 9992555961, 9992555962

Providing Special facility for best preparation of
JEE / NEET / NDA / CA-CPT / CLAT
A.C. HOSTEL facility for boys & girls separately
at MAHENDERGARH CAMPUS

प्रकाशमय कल के लिए

इस साल लार्ज कैप फंड रहे विनर लेकिन स्मॉल कैप ने किया निराश

■ लार्ज कैप ने निवेशकों को बेहतर सुरक्षा दी ■ रिटर्न के मामले में भी बाकी श्रेणी को पीछे छोड़ा ■ साल 2025 में बाजार में रहा उतार-चढ़ाव

हलचल @2025
बिजनेस डेस्क

साल 2025 ने म्यूचुअल फंड निवेशकों को एक साफ संदेश दिया है कि स्थिरता ही असली ताकत है। सालभर बाजार में उतार-चढ़ाव और सेक्टरल रोटेशन के बीच लार्ज कैप म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को न सिर्फ बेहतर सुरक्षा दी, बल्कि रिटर्न के मामले में भी बाकी कैटेगरी को पीछे छोड़ दिया। जहां लार्ज कैप फंड्स ने एक साल में औसतन 8.15% का रिटर्न दिया, वहीं स्मॉल कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे बड़ी निराशा साबित हुए। यह साफ करता है कि 2025 में क्वालिटी, साइज और बैलेंस शीट की मजबूती हर मायने में हाई-रिस्क कैटेगरी पर भारी है। कैटेगरी वाइज देखें तो लार्ड एंड मिड कैप फंड, मल्टी कैप और मिडकैप फंड्स 2–3% के दायरे में ही सिमट गए, जबकि टेक्नोलॉजी सेक्टर फंड्स में 6.79% की गिरावट ने निवेशकों की उम्मीदों को झटका दिया। इसके उलट बैंकिंग और ऑटो-ट्रांसपोर्टेशन जैसे सेक्टरल फंड्स ने 17% से ज्यादा का दमदार रिटर्न दिया, जिससे यह साफ हुआ कि 2025 स्टॉक-सेलेक्टिव और सेक्टर-ड्रिवन साल रहा। लार्ज कैप स्पेस में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, मिराए एसेट, मोतीलाल ओसवाल और महिंद्रा मैनुफ़ैक्चर जैसे फंड्स ने 10–11% के आसपास रिटर्न देकर साल का अंत मजबूत नोट पर किया। कुल मिलाकर, 2025 का साल यह सबक देकर गया कि अनिश्चित बाजारों में लार्ज कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद साथी साबित होते हैं।



फ्लेक्सी-कैप फंड की पॉपुलैरिटी बढ़ी

फ्लेक्सी-कैप फंड्स का औसत रिटर्न भले ही कुछ कमजोर दिख रहा है, लेकिन इसकी पॉपुलैरिटी बढ़ी है। फैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड की लैटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 12 महीनों में फ्लेक्सी-कैप फंड्स में सभी इक्विटी कैटेगरी में सबसे ज्यादा निवेश आया है। पिछले 12 महीनों में इन फंड्स में करीब 75,700 करोड़ का नेट निवेश दर्ज किया गया। इस कैटेगरी में निवेशकों ने जो खरीदा, उसमें बने रहे। यह दिखाता है कि निवेशक अब सिर्फ बाजार से जुड़े विकल्पों में ज्यादा पैसा नहीं लगा रहे, बल्कि ऐसे फंड भी चुन रहे हैं जो डायवर्सिफिकेशन और लचीलापन दोनों देते हैं। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड बैंक डिपॉजिट पर बढ़त बना रहे हैं, फ्लेक्सी-कैप फंड्स आने वाले समय में लंबी अवधि में संपत्ति बनाने की इस कहानी के केंद्र में बने रह सकते हैं।

स्मॉल कैप फंड के फायदे

- **उच्च विकास क्षमता:** स्मॉल कैप कंपनियों में उच्च विकास क्षमता होती है, जिससे उच्च रिटर्न मिल सकता है।
- **निम्न मूल्यांकन:** स्मॉल कैप कंपनियों के शेयर अक्सर कम मूल्य पर उपलब्ध होते हैं, जिससे निवेश का लाभाना कम होती है।
- **विविधीकरण:** स्मॉल कैप फंड्स विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है।
- **लॉन्ग-टर्म ग्रोथ:** स्मॉल कैप कंपनियों में लॉन्ग-टर्म ग्रोथ की संभावना अधिक होती है।

एक साल में कितना रिटर्न कैटेगरीवाइज

फंड	रिटर्न
लार्ज कैप	8.15%
लार्ज एंड मिड कैप	1.96%
फ्लेक्सी कैप	3.26%
मल्टी कैप	1.98%
मिड कैप	2.76%
स्मॉल कैप	-5.31%
वैल्यू ओरिएंटेड	5.45%
इंफ्लेक्सेस	3.52%
सेक्टरल-ऑटो एंड ट्रांसपोर्ट	17.32%
सेक्टरल-बैंकिंग	17.42%
सेक्टरल-फार्मा	0.04%
सेक्टरल-टेक्नोलॉजी	-6.79%
थिमैटिक	2.52%

एक साल में टॉप लार्ज कैप फंड्स ये रहे

फंड्स	रिटर्न
आईसीआईसीआई प्रू	11.50%
निप्पोन इंडिया इंडेक्स निफ्टी-50	11.40%
मिराए एसेट	11.00%
मोतीलाल ओसवाल	10.73%
महिंद्रा मैनुफ़ैक्चर	10.59%
बजाज फिनसर्व	10.00%

टॉप लार्ज कैप म्यूचुअल फंड

- निप्पोन इंडिया लार्ज कैप फंड
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड
- एसबीआई ब्लूचिप फंड
- एचडीएफसी लार्ज कैप फंड
- डीएस्पी लार्ज कैप फंड

- **स्मॉल कैप फंड के नुकसान**
- **उच्च जोखिम:** स्मॉल कैप कंपनियों में जोखिम अधिक होता है, जिससे निवेश का मूल्य कम हो सकता है।
- **अस्थिरता:** स्मॉल कैप शेयरों की कीमतें अधिक अस्थिर होती हैं, जिससे निवेश का मूल्य तेजी से बलबल सकता है।
- **लिक्विडिटी:** स्मॉल कैप शेयरों में लिक्विडिटी कम होती है, जिससे निवेश को बेचना मुश्किल हो सकता है।



छोटे व्यापारियों के लिए बेहद जरूरी है क्लाइमेट इंश्योरेंस

जलवायु परिवर्तन अब सिर्फ भविष्य की चिंता नहीं रहा, बल्कि यह छोटे व्यापारियों और दुकानदारों की रोजमर्रा की जिंदगी को सीधे प्रभावित कर रहा है। बाढ़, भीषण गर्मी, भारी बारिश और चकवात जैसी घटनाएं पहले के मुकाबले अधिक आ रही हैं और ज्यादा तीव्रता से हो रही हैं। इसका सबसे बड़ा असर देश के छोटे व्यापारियों और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) पर पड़ रहा है, जिनकी आमदनी रोज के कारोबार पर टिकी होती है। जानकारों का कहना है कि अधिकतर छोटे व्यापारी सीमित बचत के साथ काम करते हैं। ऐसे में अगर किसी प्राकृतिक आपदा की वजह से दुकान या कारखाना कुछ दिनों के लिए भी बंद हो जाए, तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। कई बार कुछ दिन का नुकसान ही महीनों की कमाई पर भारी पड़ जाता है।

प्राकृतिक आपदाओं से बचाव
“क्लाइमेट इंश्योरेंस छोटे व्यापारियों के लिए एक ऐसा सुरक्षा मरम्मत है, जो उन्हें प्राकृतिक आपदाओं से उबरने में मदद करता है। इस बीमा के तहत बाढ़, तेज बारिश, गर्मी या चकवात जैसी घटनाओं से दुकान, गोदाम, मशीनरी और सामान को हुए नुकसान को कवर किया जा सकता है। इतना ही नहीं, अगर किसी आपदा की वजह से कारोबार अस्थायी रूप से बंद करना पड़े और आमदनी रुक जाए, तो क्लाइमेट इंश्योरेंस से आय के नुकसान को भरपाई भी की जा सकती है।” इस तरह का बीमा छोटे व्यापारियों को जल्दी दोबारा कारोबार शुरू करने में मदद करता है। बिना बीमा के कई व्यापारी मरम्मत या दोबारा स्टॉक खरीदने के लिए पैसे का इंतजाम नहीं कर पाते, जिससे दुकान लंबे समय तक बंद रहती है। इसका नतीजा यह होता है कि ग्राहक दूसरी जगह चले जाते हैं और कारोबार को दोबारा खड़ा करना मुश्किल हो जाता है। कई मामलों में तो

छोटे व्यवसाय पूरी तरह से उबर ही नहीं पाते।

पैरामीट्रिक इंश्योरेंस
आज के समय में क्लाइमेट इंश्योरेंस के ऐसे समाधान भी मौजूद हैं, जो खास तौर पर छोटे व्यापारियों और एमएसएमई के लिए बनाए गए हैं। इनमें से एक है पैरामीट्रिक इंश्योरेंस। यह पारंपरिक बीमा से अलग होता है, क्योंकि इसमें नुकसान का लंबा आकलन करने की जरूरत नहीं पड़ती। “पैरामीट्रिक इंश्योरेंस में पहले से तय मौसम से जुड़े संकेतकों, जैसे तब सीमा से ज्यादा बारिश या तापमान बढ़ने पर, अपने आप भुगतान सक्रिय हो जाता है। इससे बीमा राशि जल्दी मिल जाती है। यह व्यवस्था एमएसएमई के लिए इसलिए फायदेमंद है, क्योंकि इसमें पुराने नुकसान के विस्तृत रिकॉर्ड की जरूरत नहीं होती, इसे समझना आसान होता है और आपदा के समय तुरंत पैसा मिल जाता है।” जब किसी आपदा के तुरंत बाद पैसे मिल जाते हैं, तो व्यापारी जल्दी मरम्मत करा सकते हैं, नया सामान ला सकते हैं और दोबारा काम शुरू कर सकते हैं। इससे उनका आत्मविश्वास भी बना रहता है कि मुश्किल हालात में भी वे फिर से खड़े हो सकते हैं।

सुरक्षा नहीं, बल्कि जरूरत बनाता क्लाइमेट इंश्योरेंस
क्लाइमेट इंश्योरेंस को अब सिर्फ एक अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि छोटे व्यापारियों के लिए एक बुनियादी सुरक्षा उपकरण के रूप में देखा जाना चाहिए। यह न सिर्फ उनकी आमदनी की रक्षा करता है, बल्कि आपदा के बाद जल्दी संभालने में भी मदद करता है। आमदनी आने वाले जलवायु से जुड़े झटकों के बीचजुड़ कारोबार को जारी रखने में यह अहम भूमिका निभाता है। बदलते मौसम और बढ़ती अनिश्चितताओं के दौर में छोटे व्यापारियों और दुकानदारों के लिए क्लाइमेट इंश्योरेंस एक ऐसा सहारा बन सकता है, जो मुश्किल समय में उन्हें पूरी तरह टूटने से बचाए और फिर से आगे बढ़ने का भरोसा दे।

वर्ष 2025 का साल भारत के टैक्स सिस्टम के लिए काफी अहम रहा। सरकार ने जीएसटी में बड़ी कटौती की, इनकम टैक्स में छूट की लिमिट बढ़ाई गई और लोगों के हाथ में ज्यादा पैसे रहने देना का इरादा दिखाया। इसका मकसद था कि मुश्किल

कम स्लैब और चीजें सस्ती

साल की सबसे बड़ी खबर रही जीएसटी में भारी बदलाव। 12 सितंबर से करीब 375 सामानों और सर्विसेज पर टैक्स रेट कम कर दिए गए। रोजमर्रा की चीजों पर बोझ कम हुआ और लंबे समय से चली आ रही इनवर्टेड इयूटी की समस्या भी काफी हद तक सुलझी। पहले जीएसटी में 5%, 12%, 18% और 28% के चार मुख्य स्लैब थे। अब इन्हें 5% और 18% के दो मुख्य रेट में समेट दिया गया है। हालांकि, तंबाकू, सिगरेट, सिगार, गुटखा, पान मसाला आदि पर 40% का हाई रेट रखा गया है। इस बदलाव से जीएसटी सिस्टम ज्यादा आसान और भरोसेमंद हो गया। सरकार का दावा है कि स्लैब कम होने से झगड़े कम होंगे और कंप्लायंस आसान। अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा था, जबकि पूरे साल औसतन 1.9 लाख करोड़ रुपये रहा। लेकिन रेट कटौती के बाद थोड़ा ढबाव पड़ा और ग्रोथ धीमी हुई।

कलेक्शन वर्ष के सबसे निचले स्तर पर

नवंबर में कलेक्शन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया, जो 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की तुलना में सिर्फ 0.7% की बढ़ोतरी थी। नवंबर वो पहला महीना था जब सितंबर की कटौती का पूरा असर दिखा। फिर भी ये सुधार लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो रहे हैं। आम इस्तेमाल की चीजें सस्ती हुईं, जिससे खपत बढ़ने की उम्मीद है।



फिक्स्ड डिपॉजिट निवेश के सबसे भरोसेमंद तरीकों में से एक

बिजनेस डेस्क

पैसा कमाने के लिए मेहनत और अनुशासन दोनों चाहिए, लेकिन उसे समझदारी से कहाँ निवेश किया जाए, यह फैसला उतना ही अहम होता है। आज के दौर में सिर्फ पैसे बचाकर रखना न तो सुरक्षित भविष्य की गारंटी देता है और न ही महंगाई को मात दे पाता है। मजबूत फाइनेंशियल कुशल बनने के लिए जरूरी है कि निवेश आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय के हिसाब से किया जाए। शेयर, इक्विटी म्यूचुअल फंड, पीपीएफ और सरकारी बचत योजनाओं जैसे कई विकल्प मौजूद हैं, लेकिन, इसके बावजूद बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) आज भी सुरक्षा और स्थिर रिटर्न चाहने वाले निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं।

जीएसटी स्लैब और इनकम टैक्स में हुए बड़े बदलाव, मिडिल क्लास को राहत

इनकम टैक्स में राहत

मिडिल क्लास को बड़ा तोहफा
डायरेक्ट टैक्स के मोर्चे पर भी सरकार ने हाथ खोले। इनकम टैक्स की छूट लिमिट बढ़ाकर मिडिल इनकम वालों को राहत दी गई। लोगों के पास ज्यादा डिस्पोजेबल इनकम आए, खासकर शहरों में रहने वाले परिवारों को बड़ा फायदा हुआ। इससे खुद टैक्स देने की आदत भी मजबूत हुई। 2025 के बजट में नई टैक्स व्यवस्था में 12 लाख रुपये सालाना आय तक कोई इनकम टैक्स नहीं देने का फैसला हुआ। ये वो व्यवस्था है जिसमें कम रेट हैं लेकिन छूट या डिडक्शन का फायदा नहीं मिलता।

नए रेट कुछ इस तरह

- 4 से 8 लाख रुपये तक 5%
- 8 से 12 लाख रुपये तक 10%
- 12 से 16 लाख रुपये तक 15%
- 16-20 लाख रुपये पर 20%
- 20-24 लाख रुपये पर 25%
- 24 लाख रुपये से ऊपर 30%



निवेशकों ने 100 फीसदी से ज्यादा रिटर्न लिया अब मुनाफा वसूल करें या निवेश बनाए रखें चांदी की बढ़त ने सभी निवेशों को पीछे छोड़ा

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

साल 2025 में सिल्वर ईटीएफ ने जबरदस्त प्रदर्शन दिया है। इस साल अब तक निवेशकों को 100 फीसदी से भी ज्यादा का रिटर्न मिल चुका है। चांदी की बढ़त ने बाकी सभी निवेशों को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में निवेशक इस उलझन में हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा वसूल लेना चाहिए (प्रॉफिट बुकिंग) या निवेश बनाए रखना चाहिए? बाजार के जानकारों की सलाह है कि अगर आपके पोर्टफोलियो में चांदी का हिस्सा तब सीमा से ज्यादा हो गया है, तो थोड़ा मुनाफा वसूल लेना चाहिए। अपने निवेश को संतुलित (रीबैलेंस) करने के लिए कुछ हिस्सा बेचकर वापस पुराने लक्ष्य पर आ जाना ही समझदारी है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

चांदी में आई 110-130% की भारी बढ़त के बाद मुनाफावसूली करना सही रहेगा। अपने मुनाफे का 25 से 33 फीसदी हिस्सा निकाल लें और जब बाजार ठिरे तो फिर से खरीदारी करें। 5 साल के नजरिए से निवेश करना अभी भी अच्छा है। बस इमोशनल होकर फैसला न लें और अनुशासन बनाए रखें। हालांकि मांग मजबूत है। लेकिन कम समय के लिए पैसा लगाने वालों को उतार-चढ़ाव से सावधान रहना चाहिए। वे सलाह देते हैं कि जो लोग ईटीएफ के जरिए चांदी में निवेश कर रहे हैं, उन्हें तेजी आने पर कुछ मुनाफा निकाल लेना चाहिए।

कितना दिया रिटर्न?

साल 2025 में अब तक सिल्वर ईटीएफ ने औसतन 127.31% का रिटर्न दिया है। इस दौरान 21 अलग-अलग फंड्स ने 122% से लेकर 130% तक का मुनाफा कराया। यूटीआई सिल्वर ईटीएफ 130.02% रिटर्न के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद एसबीआई सिल्वर ईटीएफ एफओएफ ने 129.46% का रिटर्न दिया। निप्पोन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने 127.61% और टाटा सिल्वर ईटीएफ ने करीब 122.68% का फायदा कराया।

क्या अब देर हो गई है?

अब उतने बड़े लेवल पर पैसा लगाना शायद सही न हो जितना कुछ महीने पहले था। चांदी आपके कुल निवेश का छोटा हिस्सा (5-9%) ही होनी चाहिए। नए निवेशकों को एक साथ सारा पैसा लगाने के बजाय किश्तों (एसआईपी) में निवेश करना चाहिए। अभी देर नहीं हुई है, लेकिन एक साथ बड़ी रकम लगाने से बचें। अगर चांदी के दाम गिरकर 1,70,000 से 1,78,000 रुपये प्रति

2025 चांदी ने दिया बंपर रिटर्न

निवेशकों ने 100 फीसदी से ज्यादा रिटर्न लिया अब मुनाफा वसूल करें या निवेश बनाए रखें चांदी की बढ़त ने सभी निवेशों को पीछे छोड़ा

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

साल अब तक निवेशकों को 100 फीसदी से भी ज्यादा का रिटर्न मिल चुका है। चांदी की बढ़त ने बाकी सभी निवेशों को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में निवेशक इस उलझन में हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा वसूल लेना चाहिए (प्रॉफिट बुकिंग) या निवेश बनाए रखना चाहिए? बाजार के जानकारों की सलाह है कि अगर आपके पोर्टफोलियो में चांदी का हिस्सा तब सीमा से ज्यादा हो गया है, तो थोड़ा मुनाफा वसूल लेना चाहिए। अपने निवेश को संतुलित (रीबैलेंस) करने के लिए कुछ हिस्सा बेचकर वापस पुराने लक्ष्य पर आ जाना ही समझदारी है।

जबकि चांदी 2 लाख रुपये के पार है, तो 2026 के लिए अगले साल शायद 2025 जैसी धमाकेदार बढ़त न मिले। मुनाफा धीरे-धीरे होगा और बीच-बीच में कीमतें गिरेगी भी। वहीं, निफ्टी सरफ को उम्मीद है कि सोलर सेक्टर में बढ़ती मांग और दुनिया भर में सफाई की कमी की वजह से 2026 में भी चांदी की मजबूती बनी रहेगी।

क्या है सिल्वर ईटीएफ
सिल्वर ईटीएफ (एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड) एक प्रकार का निवेश साधन है जो चांदी की कीमतों पर आधारित होता है। यह एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों के साथ-साथ चलता है और निवेशकों को चांदी में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

सिल्वर ईटीएफ के फायदे

- चांदी में निवेश : सिल्वर ईटीएफ चांदी में निवेश करने का एक आसान और सुविधाजनक तरीका है।
- लिक्विडिटी : सिल्वर ईटीएफ शेयर बाजार में सूचीबद्ध होते हैं, जिससे उन्हें आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है।
- निम्न लागत : सिल्वर ईटीएफ की लागत कम होती है, जिससे निवेशकों को अधिक रिटर्न मिल सकता है।
- विविधीकरण : सिल्वर ईटीएफ निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधीकरण करने में मदद करता है।

सिल्वर ईटीएफ के नुकसान

- चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव : सिल्वर ईटीएफ की कीमतें चांदी की कीमतों पर आधारित होती हैं, जो उतार-चढ़ाव के अधीन होती हैं।
- जोखिम : सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से जोखिम होता है, क्योंकि चांदी की कीमतें भविष्य में कम हो सकती हैं।
- स्टोरेज और सुरक्षा : सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से पहले निवेशकों को चांदी के स्टोरेज और सुरक्षा के बारे में विचार करना चाहिए [1][2][3]।

भारत में सिल्वर ईटीएफ



कोटक सिल्वर ईटीएफ

एसबीआई सिल्वर ईटीएफ

एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल सिल्वर ईटीएफ

यूटीआई सिल्वर ईटीएफ

घटी है। लेकिन जहां रेट अभी भी ज्यादा हैं, उन्हें कम करना बंद है। वित्त मंत्री ने कहा था, “कस्टम्स मेरा अगला बड़ा कर्लीन-अप काम है।” 2025-26 बजट में इंडस्ट्रियल गूड्स पर सात अतिरिक्त टैरिफ रेट हटाने का प्रस्ताव था, जिससे कुल स्लैब आठ रह गए। पहले 2023-24 में भी सात टैरिफ हटाए गए थे। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ट्रेड के बदलते पैटर्न, कंप्लायंस कॉस्ट और प्रोसीजर की दिक्कतों को देखते हुए कस्टम्स में सुधार जरूरी है।

एक बड़ी एफडी के नुकसान समझना जरूरी

एक बड़ी एफडी की सबसे बड़ी समस्या तब आती है, जब अचानक पैसे की जरूरत पड़ जाए। अगर आपके सिर्फ 50,000 रुपये चाहिए, तो आप आंशिक निकाली नहीं कर सकते। पूरी एफडी तोड़नी पड़ेगी, जिस पर पूरे अमाउंट पर पेनल्टी लगेगी और कुल रिटर्न घट जाएगा। इसके अलावा सुरक्षा का पहलू भी अहम है। भारत में डीआईसीजीसी नियमों के तहत एक बैंक में जमा राशि पर सिर्फ 5 लाख रुपये तक का ही इंश्योरेंस मिलता है। ऐसे में 7 लाख रुपये एक ही बैंक में रखने पर 2 लाख रुपये अइंश्योर्ड रह जाते हैं। जरूरत पड़ने पर पूरी रकम नहीं, सिर्फ एक एफडी तोड़नी पड़ती है, जिससे बाकी पैसा ब्याज कमाता रहता है। प्रीमियर विट्रुवॉल की पेनल्टी सिर्फ उसी एफडी पर लगती है, पूरी रकम पर नहीं।

एक बड़ी एफडी की सबसे बड़ी समस्या तब आती है, जब अचानक पैसे की जरूरत पड़े

सात लाख को ऐसे करें निवेश, मिलेगा बड़ा फायदा, एक एफडी में लगाएं पैसे या फिर कई सारी का विकल्प बेहतर

पैसा कमाने के लिए मेहनत और अनुशासन चाहिए

एफडी क्यों है सबसे भरोसेमंद विकल्प

भारत में फिक्स्ड डिपॉजिट को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में गिना जाता है। क्योंकि इसमें पूरी सुरक्षित रहती है और रिटर्न पहले से तय होता है। एफडी की ब्याज दर पर बाजार के उतार-चढ़ाव का असर भी नहीं पड़ता। साथ ही, डीआईसीजीसी इंश्योरेंस के तहत 5 लाख रुपये तक की जमा रकम सुरक्षित रहती है। इससे निवेशकों को अतिरिक्त भरोसा मिलता है। बैंक और एनबीएफसी 7 दिन से लेकर 10 साल तक की अवधि के लिए एफडी की सुविधा देते हैं। हालांकि, एफडी से बेहतर रिटर्न पाने के लिए सिर्फ पैसा जमा करना काफी नहीं होता, बल्कि सही अवधि और सही रट्कर चुनना भी जरूरी होता है।

एक एफडी या कई एफडी, किसमें फायदा

निवेशकों के मन में अक्सर यह उलझन रहती है कि पूरी रकम एक ही एफडी में लगाई जाए या उसे कई एफडी में बांटा जाए। अब मान लीजिए आपके पास 7 लाख रुपये हैं, तो क्या 7 लाख की एक एफडी बेहतर है या 1-1 लाख की सात एफडी। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि अगर ब्याज दर समान है, तो मैच्योरिटी पर मिलने वाली कुल रकम दोनों ही मामलों में बराबर रहेगी। फर्क सिर्फ सुविधा, लचीलापन और जरूरत पड़ने पर पैसे निकालने की आसानी में होता है।

बड़ी एफडी के फायदे क्या हैं

एक बड़ी एफडी का सबसे बड़ा फायदा इसकी सादगी है। इसमें आपको सिर्फ एक ही डिपॉजिट करना होता है, एक ही मैच्योरिटी डेट होती है और ब्याज भी एक जगह ही जुड़ता है। निवेश को ट्रैक करना आसान रहता है, न तो कई एफडी रसीदें संग्रालने की झंझट होती है और न ही अलग-अलग मैच्योरिटी याद रखने की जरूरत पड़ती है। जो निवेशक लगाओ और भूल जाओ वाला तरीका पसंद करते हैं, उनके लिए यह विकल्प काफी सुविधाजनक माना जाता है। लंबी अवधि के लिए पैसा लॉक करने से ब्याज दर स्थिर रहती है और निवेशक बिना किसी रुकावट के मैच्योरिटी तक बेहतर रिटर्न हासिल कर सकते हैं। खासकर रिटायर्ड लोग या ऐसे निवेशक, जिनके पास पहले से इन्वर्जेंसी फंड मौजूद है, उनके लिए एक बड़ी एफडी मानसिक शांति देने वाला बन सकती है।



स्कूल में वीर बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन

हिसार। नागरी गेट स्थित एचकेएसडी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में गुरु गोविंद सिंह के दोनों पुत्रों जोरावर सिंह व फतेह सिंह के बलिदान दिवस पर वीर बाल दिवस मनाया गया, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने बह-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर नन्हे-मुन्हे विद्यार्थियों ने कविता पाठ, भाषण, नृत्य व नाटिका द्वारा शहीद वीर पुत्रों के बलिदान को बखूबी दर्शाया। स्कूल की प्राचार्या रेनु मल्होत्रा ने सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

स्कूल में खेल प्रोत्साहन जागरूकता कार्यक्रम

हिसार। हिसार पुलिस की ओर से गांव खासा महाजन स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के स्टेडियम में बच्चों एवं युवाओं के लिए नशा मुक्ति एवं खेल प्रोत्साहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान बच्चों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें दौड़ प्रतियोगिता, लंबी कूद (लॉन्ग जंप) तथा रस्सा कसी प्रतियोगिता शामिल रही। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

चार साहिबज़ादों की शहादत को किया याद

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶▶ हिसार

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल के कक्षा 6-8 के बच्चों ने राजकीय कॉलेज के हाल में गुरु गोबिंद सिंह जी के जीवन इतिहास को जाना। स्कूल प्राचार्य डॉ कपूर सिंह लोहान ने कहा कि सिखों की शहादत को सभी स्कूलों में मार्गदर्शन के रूप में दिखाया जाना जरूरी है ताकि बच्चों को देश सेवा के प्रति जागरूक किया जा सके। इस इतिहास को पंजाबी भाषा अध्यापक गौरव भुटानी ने चार साहिबज़ादे फ़िल्म दिखाकर उनके जीवन जीने के सिद्धांत व उनके पर अडिग रहने की जीवन शैली को भी समझाया। गुरु जी ने परिवार सहित



हिंदुस्तान की धार्मिक आजादी के लिए अपनी जान तक न्योछावर कर दी पर अपना धर्म का रास्ता नहीं छोड़ा। कक्षा सात की छात्राओं ने चार साहिबज़ादों पर कविता गायन किया व गंगू राम मेहरा की श्रद्धा से की गई दूध पि्ताने की सेवा को भी कविता के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस मौके स्कूल प्रिंसिपल डॉ कपूर सिंह लोहान, कॉलेज स्टाफ कर्मी, डॉ. राकेश, विजय कुमार, विनय कुमार, सुरेश कुमार, अंकिता व गौरव भुटानी मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में हिन्दू स्कूल की खो-खो टीम ने जीता रजत

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶▶ हांसी

राखीगढ़ी में आयोजित राज्य स्तरीय खेल आयोजन में हिन्दू सीनियर सेकेंडरी स्कूल की अंडर-14 खो-खो टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों की विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया, जहां कड़े मुकाबलों के बीच हिन्दू स्कूल की टीम ने अपने कोशिल, अनुशासन और टीम वर्क का बेहतरीन खेल प्रस्तुत करते हुए रजत पदक हासिल किया। वहीं रजत पदक विजेता खिलाड़ियों का स्कूल



हांसी। राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में रजत पदक विजेता खिलाड़ियों का स्वागत करते स्कूल निदेशक अनिल कुमार व कोच

फोटो : हरिभूमि

पहुंचने पर स्कूल प्राचार्य अनिल कुमार व स्कूल स्टाफ द्वारा भव्य स्वागत किया गया। राखी गढ़ी में आयोजित खेल प्रतियोगिता में नायब सिंह सैनी ने मुख्यातिथि के रूप शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने

खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। हिन्दू सीनियर सेकेंडरी स्कूल की अंडर-14 टीम ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान अनुकरणीय खेल भावना का परिचय देते हुए फाइनल तक का सफर तय किया और राज्य स्तर पर दूसरा स्थान हासिल किया।

निजी कॉलेज की छात्राओं ने गेट पर दिया धरना

नारनौद। क्षेत्र के एक निजी कॉलेज की छात्राएं ने शनिवार को कॉलेज के मुख्य गेट पर धरना शुरू कर दिया। छात्राओं का कहना है कि उन्होंने प्रदेश सरकार के शीर्ष स्तर तक अपनी शिकायतें पहुंचा दी हैं। लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। सोमवार को 11 बजे तक सरकार की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं हुई तो सभी छात्राएं बड़ा निर्णय लेकर आंदोलन को बढ़ाने का काम करेंगी। छात्राओं की मुख्य मांग है कि कॉलेज संचालक की गिरफ्तारी की जाए और सभी छात्राओं का माइग्रेशन इस कॉलेज से किसी अन्य मान्यता प्राप्त नर्सिंग कॉलेज में किया जाए। धरने पर बैठी छात्राओं ने बताया कि सरकार उनकी समस्याओं को अनदेखी कर रही है।

शिविर

शिविर का उद्देश्य नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता पैदा करना

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶▶ हिसार

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सातरोड खास में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 30 दिसंबर तक चलेगा। शिविर का उद्देश्य छात्राओं में समाज सेवा, नेतृत्व क्षमता, नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता पैदा करना है। शिविर के दौरान एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रयत्न एनजीओ के संस्थापक एवं समाजसेवी



हिसार। छात्राओं को संबोधित करते अनिल कसाना।

फोटो : हरिभूमि

अनिल कसाना ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वयंसेविकाओं द्वारा

अतिथि के स्वागत के साथ किया गया। अपने प्रेरणादायक संबोधन में अनिल कसाना ने शिक्षा के महत्व

हिसार

ढाणा कलां में विकास परियोजनाओं के निर्माण कार्य का शुभारंभ

सरकार गांवों के विकास के लिए प्रतिबद्ध : विनोद भयाना

शहीद राव तुलाराम खेल स्टेडियम में क्षेत्र के युवाओं और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶▶ हांसी

विधायक विनोद भयाना ने शनिवार को गांव ढाणा कलां में लगभग 40 लाख रुपये की लागत से बनने वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं के निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। इन परियोजनाओं में शहीद राव तुलाराम खेल स्टेडियम का मुख्य द्वार निर्माण भी प्रमुख रूप से शामिल है, जिससे क्षेत्र के युवाओं और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने विधायक विनोद भयाना का भव्य स्वागत किया। हांसी को जिला बनवाने के लिए किए गए उनके सफल प्रयासों से प्रसन्न ग्रामीणों ने विधायक को लड्डुओं से तौल कर सम्मानित किया। ग्रामीणों ने कहा कि हांसी को जिला बनाने से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी और आमजन को प्रशासनिक सुविधाएं



हांसी। विकास कार्य की नींव रखते विधायक विनोद भयाना।

और अधिक सुलभ होंगी।

इस अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक विनोद भयाना ने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ढाणा कला सहित पूरे विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी और हर गांव को बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा।

सर्विस रोड निर्माण की मांग

ग्रामीणों द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग से गांव तक सर्विस रोड निर्माण की मांग रखी गई, जिस पर विधायक ने बताया कि यह मांग मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को भेजी जा चुकी है और उन्हें पूर्ण विश्वास है कि जल्द ही इस दिशा में सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। इसके अलावा ग्रामीणों ने मंदिर के निकट धर्मशाला में शेड निर्माण की मांग भी रखी।

यह रहे उपस्थित

भाजपा नेता राजपाल यादव, पुष्टी मंगल खा सरपंच सुरेंद्र, पूर्व वॉर्ड्स अध्यक्ष दयानंद, ब्लॉक समिति अध्यक्ष प्रतिनिधि सुभाष यादव, सरपंच भूप सिंह, रामपुर सरपंच सुरेंद्र, सरपंच जंगी, पूर्व सरपंच रतिराम यादव, यादव समा हांसी प्रधान ओमप्रकाश, ढाणा खुर्द के सरपंच सोनू, राजेश धमाणा, रवि अरोड़ा सहित काफी संख्या में ग्रामीण और क्षेत्रवासी मौजूद थे।

खेलकूद प्रतियोगिता में नन्हे-मुन्नों ने दिखाया जोश

अरेंज चेंयर एंड रन में प्रियांशु राह प्रथम

होली चाइल्ड स्कूल में वार्षिक जूनियर स्पोर्ट्स मीट का आयोजन

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶▶ हिसार

होली चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल में नर्सरी से कक्षा दूसरी तक के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में बच्चों ने पूरे जोश, उमंग और अनुशासन के साथ भाग लिया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक आर.एस. सिंधु एवं प्रधानाचार्या अनीता पन्नु दलाल ने सभी विजेताओं को बधाई दी। नर्सरी



हिसार। विजेता बच्चे प्रमाण-पत्र दिखाते हुए।

फोटो : हरिभूमि

कक्षा में अरेंज कोन एंड रन प्रतियोगिता में सृष्टि ने प्रथम, नैन्सी ने द्वितीय और हरप्रीत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अरेंज चेंयर एंड रन में प्रियांशु प्रथम, हेलन द्वितीय और मीत तृतीय स्थान पर रहे। बैलेंस कप ऑन बोर्ड में हिमांशी प्रथम, लिप्सा द्वितीय तथा वृद्धि तृतीय स्थान पर रहीं। एल.के.जी. की बलून बस्ट रस में वंश प्रथम, गुनिका द्वितीय

और प्रिशा तृतीय स्थान पर रहीं। होल्ड कोन प्रतियोगिता में मयूर प्रथम, बनी व रिधिमा द्वितीय और कुनाल तृतीय स्थान पर रहे। यू.के.जी. की हर्डल रस में तेजस प्रथम, विक्रान्त द्वितीय और करण तृतीय स्थान पर रहे। बलून होल्डिंग रस में पीयूष प्रथम, आकृति द्वितीय और हरलीन तृतीय स्थान पर रहीं। ग्रॉप पिंकिंग रस में आरुषि प्रथम,



विभाग रोल के कर्मचारियों को जल्द ही मिलेगा समान काम समान वेतन का लाभ: जसविन्द

हिसार। भारतीय मजदूर संघ से संबंधित अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ का प्रतिनिधिमंडल उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंधक निदेशक मनीराम शर्मा से निगम के पंचकुला कार्यालय में मिला। प्रतिनिधिमंडल ने प्रबंध निदेशक के समक्ष अनेक मांगे रखी। इस दौरान निगम की तरफ से मुख्य अभियंता प्रशासन मुकेश चौहान, कंपनी सेक्टर्री राजेश खंडेलवाल, एफएच/हैडक्वार्टर हीरालाल, अंडर सेक्टर्री दीपेश्वरी रावत और एसई/एसएम एसएस दुल तथा संगठन की तरफ से भारतीय मजदूर संघ प्रदेश महामंत्री हवा सिंह मेहता, प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश बालू, अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष जसविंदर दुहन, उपाध्यक्ष बलिन सिसमोर, महामंत्री जीवन ठाकुर, संगठन मंत्री रविंद्र हुड्डा, प्रदेश सचिव राज ठाकुर, प्रदेश सलाहकार सुनील राणा, सहकोषाध्यक्ष कर्मवीर संधू व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुशीराम गहलवाल, राजेंद्र गुर्जर व गुलजार सैनी शामिल रहे। प्रदेशाध्यक्ष जसविंदर दुहन ने बताया कि बैठक बहुत ही सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई।



हिसार। कार्यक्रम में हिस्सा लेते विद्यार्थी।

फोटो : हरिभूमि

रॉयल स्कूल खारा खेड़ी में वीर बाल दिवस पर शहीदों को नमन

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶▶ हिसार

रॉयल इंटरनेशनल रेंजिडेंशियल स्कूल, खारा खेड़ी में वीर बाल दिवस अत्यंत श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। यह दिवस गुरु गोबिंद सिंह जी के वीर पुत्रों, साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फ़तेह सिंह के सर्वोच्च बलिदान को नमन करने के लिए समर्पित रहा। कार्यक्रम की शुरुआत साहिबजादों के अदम्य साहस, अटूट आस्था और शहादत पर प्रकाश डालने वाली संक्षिप्त

विद्यालय के चेयरमैन डॉ. युद्धवीर सिंह, निर्देशिका डॉ. ज्योत्सना, प्रशासक विक्रमादित्य एवं सैनिक स्कूल कमांडेंट कर्नल (डॉ.) डी.वी. नेहरा ने अपने संदेश में कहा कि वीर बालकों का साहस और बलिदान सदैव आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शक प्रकाश बना रहेगा।

बलिदान सदैव प्रेरणा और मार्गदर्शक

भूमिका से हुई। बहुत ही कम उम्र में अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने वाले साहिबजादों की गाथा ने सभी को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भाषण, कहानी-कथन, निबंध लेखन, देशभक्ति कविता, चित्रकला एवं डिजिटल प्रस्तुति जैसी विभिन्न

मां चण्डके देवी मंदिर से सवा किलो चांदी और पांच तोले सोना चोरी

उकलाना मंडी। खंड के गांव पाबड़ा में स्थित प्राचीन मां चण्डके देवी मंदिर में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। चोर मंदिर से सोने-चांदी के छत्र सहित अन्य कीमती सामग्री चुरा ले गए, जिसकी अनुमानित कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। मंदिर प्रधान जगदीश तायल ने बताया कि चोर मंदिर से लगभग सवा किलो चांदी और पांच तोले सोना, जो छत्र के रूप में स्थापित था, चोरी कर ले गए हैं। घटना की सूचना तत्काल थाना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में चोरी की पूरी घटना कैद हो गई है। फुटेज में चोर चोरी करते हुए साफ दिखाई दे रहा है, जिसके आधार पर पुलिस द्वारा पहचान और तलाश की जा रही है। इस संबंध में इंस्पेक्टर करमजीत ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए तीन टीमों में गठित की गई है। इनमें थाना पुलिस, सीआईए तथा सब्डी की टीम शामिल है, जो अपने-अपने स्तर पर जांच कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गया सामान बरामद कर लिया जाएगा।

खबर संक्षेप



आरडीएम स्कूल की सांस्कृतिक प्रस्तुति बनी राखीगढ़ी महोत्सव की शान

उकलाना। राखीगढ़ी महोत्सव के मध्य आयोजन में आरडीएम सरस्वती पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुति दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही। विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत रागिनी गायन की प्रभावशाली प्रस्तुति देकर हरियाणा की समृद्ध लोक-संस्कृति और परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रागिनी के माध्यम से सामाजिक मूल्यों, देशभक्ति तथा सांस्कृतिक विरासत का सुंदर और भावपूर्ण चित्रण किया। विद्यार्थियों की स्पष्ट उच्चारण शैली, तालमेल और आत्मविश्वास ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रस्तुति के उपरान्त उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय प्रबंधक डॉ. के. सी. शर्मा एवं प्रधानाचार्य डॉ. शालू एस. कटारिया ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को इस सफल प्रस्तुति के लिए बधाई दी।



राजकीय महाविद्यालय व एलीट क्रिकेट अकादमी के मध्य हुआ एमओयू

हिसार। गुरु गोरख नाथ राजकीय महाविद्यालय एवं एलीट क्रिकेट अकादमी के मध्य महाविद्यालय में उच्च स्तरीय खेल सुविधाएं और विश्व स्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध करवाने के लिए एमओयू हुआ है। यह एमओयू प्राचार्य डॉ विवेक कुमार सैनी के मार्गदर्शन में हुआ। प्राचार्य डॉ. विवेक कुमार सैनी ने बताया कि महाविद्यालय के खिलाड़ी निश्चित होकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें इसके लिए खिलाड़ियों को बेहतरीन खेल सुविधाएं, उच्च कोटि का प्रशिक्षण व अन्य संसाधन उपलब्ध करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। महाविद्यालय के खिलाड़ियों को सुविधाओं की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी और इसके लिए दोनों पक्ष मिलकर काम करेंगे। समझौता ज्ञापन के बारे में जानकारी देते हुए शारीरिक शिक्षा के विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुखबीर सिंह दुहन ने बताया कि समझौता ज्ञापन के तहत एलीट क्रिकेट अकादमी के महाविद्यालय के खेल परिसर का रखरखाव करेंगी और सभी खिलाड़ियों को शारीरिक अभ्यास और फिटनेस करवाएंगे। एलीट क्रिकेट अकादमी महाविद्यालय के क्रिकेट खिलाड़ियों को नि:शुल्क कोचिंग देगी और महाविद्यालय की क्रिकेट टीम तैयार करवाएंगी। समझौता ज्ञापन में महाविद्यालय की तरफ से प्राचार्य डॉ. विवेक कुमार सैनी, शारीरिक शिक्षा के विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुखबीर सिंह ने हस्ताक्षर किए वहीं एलीट क्रिकेट अकादमी की तरफ से अध्यक्ष विकास चौधरी व कोच संदीप खरब ने हस्ताक्षर किए।



वाजपेयी के नेतृत्व में देश का नाम दुनिया में ऊंचा हुआ

आदमपुर। भाजपा द्वारा गोपी राम धर्मशाला में अटल स्मृति सम्मेलन आयोजित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने शिरकत की। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वाजपेयी के नेतृत्व में देश का नाम दुनिया में ऊंचा हुआ उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ईमानदार, संघर्षाल व देशभक्त नेता थे। उनका लोहा प्रियक्ष के नेता भी मानते हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में भाजपा को मजबूत करने का काम किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष आशा खेड़द, माकेंट कमेटी के अध्यक्ष ठाकुरबदत, कृष्ण सरसाना, संजीव ववड़ी, मुनीश एलवादी, राजन गोहर, कुरलदीप आदि मौजूद रहे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्राचार्य ताराचंद्र, सौमा, सतीश कुमार, अर्चना सुहासिनी, शकुन्ताला, पूजा, प्रियंका सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

ऐसे कार्यक्रमों को छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से अनिल कसाना का धन्यवाद किया गया तथा छात्राओं ने इस सत्र को अत्यंत प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक एवं जीवनोपयोगी बताया।

खबर संक्षेप

वार्ड आरक्षण को लेकर पिछड़ा वर्ग में आक्रोश

उकलाना। नगर पालिका उकलाना में पार्थदो के वार्ड आरक्षण को लेकर पिछड़ा वर्ग में रोष व्याप्त है। इसी मुद्दे को लेकर भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष करण सिंह जांगड़ा ने भाजपा के प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पुनिया से उकलाना में आयोजित अटल स्मृति कार्यक्रम के उपरांत मुलाकात की। करण सिंह जांगड़ा ने प्रदेश महामंत्री को अवगत करवाया कि जब नगर पालिका उकलाना में 13 वार्ड थे, तब पिछड़ा वर्ग के लिए दो वार्ड आरक्षित किए गए थे। वर्तमान में वार्डों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। इसके बावजूद पिछड़ा वर्ग के लिए मात्र एक ही वार्ड आरक्षित किया गया है, जिससे पिछड़ा वर्ग समाज में भारी निराशा और हताशा है।

‘मीख नहीं-किताब दो’ संस्था के बच्चों को सामग्री बांटी

हिसार। जवाहर नगर स्थित टेंडर फ्रीट स्कूल की निदेशक नर्मदा फोगाट, स्कूल स्टाफ सदस्य व स्कूल के बच्चों ने ‘मीख नहीं-किताब दो संस्था’ के छात्रावास का दौरा किया। उन्होंने संस्था की गतिविधियों और अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर स्कूल की ओर से बच्चों के लिए सर्दी के लिए जैकेट, जुगबू, खाद्य सामग्री व शिक्षण सामग्री पेंच की गई। स्कूल शिक्षकों ने सांता का रूप धारण कर बच्चों को उक्त उपहार दिए।

वीर बाल दिवस पर निकाला नगर कीर्तन

हिसार। अर्बन एस्टेट-2 स्थित विश्वास सोनियर सेकेंडरी स्कूल में ‘वीर बाल दिवस’ का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें उन्होंने सिख इतिहास के अमर बलिदानों गुरु गोविंद सिंह जी के चार साहिबजादों के जीवन और त्याग को रचनात्मक तरीकों से नमन किया। कार्यक्रम का आरंभ पवित्र नगर कीर्तन से हुआ। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने गुरु गोविंद सिंह जी के चारों साहिबजादों पर आधारित कलरिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति दी। कविता उच्चारण प्रतियोगिता में बच्चों ने वीरता और बलिदान से परिपूर्ण कविताएं सुनाकर सभी को भावविभोर कर दिया।

स्वच्छता नियमों के उल्लंघन पर काटे 15 चालान

हिसार। नगर निगम द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमित रूप से कार्रवाई की जा रही है। शनिवार को एएसआई विजेता ने बस स्टैंड के आसपास क्षेत्र में पांच दुकानदारों ने सिंगल प्लास्टिक का प्रयोग किया जा रहा था। उनका चालन किया गया। एक दुकानदार खुले में कचरा डालते हुए मिला जिस पर उसका चालान किया गया। एएसआई प्रवीन ने कैमरी रोड पर एक दुकानदार खुले में कचरा डालने पर उनके चालान किए। एएसआई राहुल वैनी व राहुल पंवार ने तीन दुकानदारों का खुले में कचरा फैलाने पर चालान किया गया। इसके अलावा एएसआई कपिल ने व प्रवीण ने सेक्टर 13 में दो दुकानदारों के खुले में कचरा डालने पर उनका चालान किया गया।

आंखों का निःशुल्क जांच शिविर एक जनवरी को

हिसार। स्वर्गीय उर्मिला सिंगल की पांचवीं पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में दिव्यांग केंद्र में निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया जाएगा। उर्मिला सिंगल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित किए जा रहे इस शिविर का समय प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक रहेगा। इस शिविर के दौरान अनुभवी व प्रशिक्षित चिकित्सकों द्वारा आंखों की निशुल्क जांच की जाएगी। इस दौरान जिन बुजुर्गों की आंखों में सफेद मोतियाबिंद की शिकायत मिलेगी उनकी आंखों का निशुल्क ऑपरेशन आगामी शिविर में किया जाएगा। इस अवसर पर चयनित दिव्यांग बंधुओं को कृत्रिम उपकरण भी निशुल्क वितरित किए जाएंगे।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार

फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

स्टालों पर सजी है 5000 साल पुरानी सभ्यता और पारंपरिक कला की झलक

राखीगढ़ी महोत्सव में सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रदर्शन

राखी गढ़ी महोत्सव में पहुंची हाईकोर्ट की न्यायाधीश ने अपने हाथों से बनाया मिट्टी का बर्तन

न्यायाधीश अलका सरिन ने प्रतीकात्मक उत्खनन गतिविधि में भी लिया भाग

हरिभूमि न्यूज़ ►►नारनौद

तीन दिवसीय राखीगढ़ी महोत्सव के दूसरे दिन का कार्यक्रम ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों से भरपूर रहा। इस अवसर पर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय की न्यायाधीश अलका सरिन ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश अल्का मलिक ने की। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डी.एन. भारद्वाज, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. गगनदीप मित्तल, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मंगलेश चौबे, एसडीएम विकास यादव, बरवाला उपमंडल के एसडीएम वेद प्रकाश बेनीवाल सहित अनेक प्रशासनिक व न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि न्यायाधीश अलका सरिन ने महोत्सव स्थल पर



नारनौद। राखीगढ़ी महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करती स्कूली छात्राएं।

राखीगढ़ी महोत्सव में उमड़ा जनसैलाब

तीन दिवसीय राखीगढ़ी महोत्सव में लोगों का उत्साह चरम पर है। महोत्सव स्थल पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं और यहां आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पारंपरिक प्रस्तुतियों

विभिन्न विभागों एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टालों का अवलोकन किया। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद करते हुए उनके द्वारा घरों में तैयार किए गए उत्पादों की जानकारी ली और उनकी मेहनत व आत्मनिर्भरता की सराहना की। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम स्थल पर बनाए गए कृत्रिम पुरातात्विक साइट पर प्रतीकात्मक उत्खनन गतिविधि में भाग लिया और प्राचीन सभ्यता की वैज्ञानिक खोज प्रक्रिया

को नजदीक से देखा। उन्होंने अपने हाथों से मिट्टी का बर्तन भी बनाया। मुख्य मंच पर विभिन्न विद्यालयों की टीमों द्वारा प्रस्तुत की जा रही सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को भी न्यायाधीश अलका सरिन ने ध्यानपूर्वक देखा। उन्होंने बच्चों की प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और बच्चों के साथ फोटो खिंचवाए। बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला और उन्होंने मुख्य अतिथि के साथ सेल्फी भी ली।

विरासत की सांस्कृतिक प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केन्द्र

हरिभूमि न्यूज़ ►►नारनौद

सरकार के पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग की ओर से पुरातात्विक स्थल हिसार की राखीगढ़ी में 28 दिसंबर तक चलने वाले तीन दिवसीय राखीगढ़ी महोत्सव में लगाई गई विरासत सांस्कृतिक प्रदर्शनी पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र बन गई है।

इस प्रदर्शनी में जहां एक ओर लोक पारम्परिक विषय-वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया है वहीं पर दूसरी ओर हरियाणवी लोक जीवन में प्रयोग की जाने वाली सैकड़ों वर्ष पुरानी विषय-वस्तु पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। विरासत दि हेरिटेज विलेज के संयोजक डॉ. महासिंह पुनिया ने बताया कि विरासत दि हेरिटेज



नारनौद। राखीगढ़ी महोत्सव में रखी गई पुरानी चीजों को देखते पर्यटक।

विलेज कुरुक्षेत्र द्वारा डेढ़ सौ साल पुरानी ढेंकली, कपड़े रखने के लिए पिटार, चरखे, सौ साल पुरानी पालकी, न्यौल, बैलों की घंटियां, बीजणे, इंडी, रेन्जा, घाघरा, पुराने ताले, रई, डोंगे, जूए, कूएं में प्रयोग किए जाने वाले कांटे एवं विलाई, पुराने छापे, सौ साल पुराने बर्तन, हुक्के, पुराने बाट, ऊँट की कूची

की प्रदर्शनी लगाई गई है। विरासत का उद्देश्य हरियाणा की लुप्त होती लोक सांस्कृतिक परम्परा से आधुनिक युवा पीढ़ी को जोड़ना है। तीन दिन तक चलने वाली राखीगढ़ी महोत्सव में विरासत प्रदर्शनी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहेगी।



नारनौद। राखी गढ़ी महोत्सव में पुरानी चीजों को देखती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

न्यायाधीश ने टीले का किया दौरा

महोत्सव के दौरान न्यायाधीश अलका सरिन ने राखीगढ़ी स्थित हड़प्पा कालीन पुरातात्विक स्थलों टीला नंबर एक व तीन का भी दौरा किया। उन्होंने उत्खनन के दौरान प्राप्त कच्ची ईंटों की इमारतों, पक्की ईंटों का कुआं तथा अन्य ऐतिहासिक अवशेषों का अवलोकन किया। इस अवसर पर पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के अधिकारियों ने मुख्य अतिथि को जानकारी देते हुए बताया कि राखीगढ़ी में उत्खनन के दौरान अब तक हड़प्पा काल से पूर्व, हड़प्पा काल तथा हड़प्पा काल के बाद की सभ्यताओं के महत्वपूर्ण प्रमाण प्राप्त हुए हैं। इसके उपरांत मुख्य अतिथि ने राखीगढ़ी म्यूजियम में पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और प्राचीन सभ्यता से जुड़ी दुर्लभ वस्तुओं में गहरी रुचि दिखाई।

ऐतिहासिक धरोहरों को प्रदर्शित किया

राखीगढ़ी महोत्सव के दौरान राखीगढ़ी स्थित संग्रहालय परिसर में पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। प्रदर्शनी में राखीगढ़ी पुरातात्विक स्थलों से प्राप्त महत्वपूर्ण ऐतिहासिक धरोहरों को प्रदर्शित किया गया है, जिनमें देखने के लिए बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी तथा आम नागरिक पहुंच रहे हैं। प्रदर्शनी में राखीगढ़ी के पुरातात्विक स्थलों से खुदाई के दौरान प्राप्त हड़प्पा कालीन वस्तुएं विशेष रूप से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही हैं। इनमें मुद्रमांड के चित्रांकित टुकड़े, जिन पर पीपल के पत्ते की सुंदर आकृतियां उकेरी गई हैं।

राखीगढ़ी महोत्सव में दूसरे दिन पहुंचे लाखों पर्यटक

हरिभूमि न्यूज़ ►►नारनौद

राखीगढ़ी महोत्सव में दूसरे दिन शनिवार को लाखों की संख्या में देशभर से पर्यटक पहुंचे। हड़प्पा कालीन के टीलों पर जाकर जब उन्होंने हजारों वर्ष पुरानी विरासत को देखा तो सबके मुंह से निकल रहा था कि हजारों वर्ष पहले भी हमारे पूर्वज इतनी अच्छी तकनीक और सुविधा से रहते। विदेश से आए पर्यटक भी इतनी पुरानी सभ्यता के अवशेष देखकर हैरान थे। बाहर से आने वाले पर्यटक इन पत्तों को अपनी जिंदगी के सबसे यादगार पल बता रहे थे। आज वो मिट्टी से जुड़कर हर उस कहानी को खोजने में लगे हुए थे जो को हजारों वर्ष पहले इस मिट्टी में दफन हो गई थी। महिला पर्यटकों ने बताया कि वो पिछले काफी दिनों से राखी गढ़ी महोत्सव में आने की तैयारी कर रही



कृत्रिम पुरातात्विक साइट पर उत्खनन करती मुख्य अतिथि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय की न्यायाधीश अलका सरिन व जिला न्यायाधीश अलका मलिक।

थी इसके लिए उसने हरियाणवी पारिधान कुत्तों और दामन तैयार करवाया। हरियाणवी वेशभूषा में पहुंचकर हरियाणवी संस्कृति का संदेश देना था। साथ ही हड़प्पा कालीन सभ्यता में भी महिलाएं ऐसे ही परिधान पहनती थीं।

मॉक खोदाई के स्टॉल पर सबसे ज्यादा भीड़

राखीगढ़ी महोत्सव में मॉक खोदाई के स्टॉल को सबसे ज्यादा देखा गया। नोडल अधिकारी अप्पू सहरणा ने बताया कि हजारों की संख्या में लोग इसको देखने के लिए आ रहे हैं। सबसे हजारों साल पुरानी सभ्यता की जानकारी भी दी जा रही है। पर्यटकों के लिए गाइड के रूप में सभी टीलों पर इतिहास के प्रोफेसर लगाए गए हैं ताकि वह सटीक जानकारी दे सकें।

न्यायाधीश ने की मॉक खोदाई

पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट की न्यायाधीश अलका सरिन और जिला न्यायाधीश अलका मलिक भी महोत्सव में पहुंचे और उन्होंने वहां पर मॉक खुदाई की तो उनको पुराना बर्तन और एक सील मिली उन्हें वो काफी देर तक बिहारती रही। कहा असल की खोदाई में भी ऐसे ही अवशेष निकलते हैं। हजारों सालों पुराना इतिहास देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि उस समय भी लोगों में कितनी कुशलता थी।

सड़क हादसे में एक की मौत वाहन चालक पर केस दर्ज

नारनौद। क्षेत्र के गांव राजथल के पास हुए सड़क हादसे में जींद 40 वर्षीय पवन कुमार की मौत हो गई। वह नारनौद से दवाइयों की सप्लाई देकर लौट रहा था कि एक अज्ञात वाहन ने उनकी कार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार पेड़ से जा टकराई और पवन कुमार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। कार के एयर बैग भी खुले हुए हैं, लेकिन उनकी फिर भी जान नहीं बच पाई। बताया जा रहा है कि पवन कुमार मितल मेडिकल रानी तालाब जींद में दवाइयों की सप्लाई का काम करते थे। वे दुकान मालिक की स्विफ्ट कार में नारनौद गए थे। लौटते समय गांव राजथल के समीप अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी कार को पीछे से टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार सड़क पार कर दूसरी दिशा में जाकर एक पेड़ से टकरा गई। गंभीर चोटें लगने के कारण पवन कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद उनके मोबाइल से किसी राहगीर ने रिश्तेदार मोहित को फोन कर सूचना दी। मृतक के बेटे जतिन अपने परिवार के सदस्यों के साथ द्रुत सरकारी अस्पताल नारनौद पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने पवन कुमार को मृत घोषित कर दिया।

स्थापित - 1936

सर्वसन्तु निरामयः

डॉ. बनारसी दास शर्मा हस्पताल

3 पीढ़ियों से आपकी सेवा में

आयुर्वेद चिकित्सा-श्रेष्ठ चिकित्सा

चर्म रोग

सोतावसिस

सफेद दाग

बालों का झड़ना

मुंहासे

एज्यीमा, Fungal, Acne, Alcpocia, Urticaria आदि सभी प्रकार के चर्म रोगों के विशुद्ध आयुर्वेदिक उपचार के लिए सम्पर्क करें।

डॉ. साकेत शर्मा, आयुर्वेदचार्य

मोहल्ला सैनियान, हिसार | मो. 98960-04939

एएसआई के घर से लाखों की चोरी, केस दर्ज

मां के निधन के चलते गांव गया हुआ था परिवार

हरिभूमि न्यूज़ ►►हिसार

राजीव नगर में अज्ञात चोरों ने पुलिस विभाग के सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) के घर से लाखों की चोरी कर डाली। घटना के समय एएसआई सुरेश अपनी मां के निधन के चलते अपने गांव गया हुआ था। चोरों ने घर का ताला तोड़कर गहने और नगदी पर हाथ साफ कर दिया। एसआई सुरेश ने बताया कि उनकी माता का निधन 16 दिसंबर को हुआ था। अंतिम संस्कार और रस्मों के चलते पूरा परिवार गांव चला गया था। इस बीच घर पूरी तरह खाली था। गत दिवस सुरेश का बेटा घर देखने आया था लेकिन उसी दिन वापस गांव लौट गया। इसके बाद चोरी की वारदात हुई। पड़ोसियों ने



हिसार। चोरी की घटना के साक्ष्य जुटाते फोरेसिक विशेषज्ञ।

बताया कि दर रात करीब 1:35 बजे दो पास स्कूटी खड़ी की और पैदल घर की ओर जाते हुए देखे गए। कुछ देर बाद वे

वापस लौटे और स्कूटी पर सवार होकर फरार हो गए। सुबह जब पड़ोसियों ने घर का मुख्य गेट खुला और ताला टूटा देखा तो उन्होंने सुरेश को फोन पर सूचना दी। सूचना मिलने पर सुरेश ने अपने रिश्तेदारों को मौके पर भेजा। घर के अंदर अलमारियां टूटी हुई थीं और सामान बिखरा पड़ा था। चोर करीब दो से तीन तोला सोने के आभूषण, चांदी के गहने और नगदी लेकर फरार हो गए थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घर का निरीक्षण किया। फोरेसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है।

फोटो : हरिभूमि



सेलिब्रेशन / लोकमित्र गौतम

साल 2025 विदा होने वाला है। इसके साथ ही नया साल 2026 आने के लिए तैयार है। बीते साल की विदाई और नए साल के स्वागत में पूरी दुनिया में दिसंबर माह के आखिरी सप्ताह में जश्न का माहौल रहता है। अपने देश में भी क्रिसमस के बाद सड़कों पर शाम होते ही रोशनी जगमगाने लगती है। बाजारों में चहल-पहल बढ़ जाती है और हर जगह अलविदा-ए-जश्न के रंग-बिरंगे पोस्टर चस्पा हो जाते हैं। वास्तव में अब नए वर्ष का स्वागत, धर्म-समुदाय से ऊपर उठकर साझे जश्न का पर्व बनकर उभरा है। यही कारण है कि उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक दुनिया के हर कोने में 31 दिसंबर की रात जश्न की रात होती है। हर साल की तरह इस साल भी नए साल के स्वागत में जश्न मनाने के लिए तैयार देश के कई शहर खासतौर पर तैयार हो रहे हैं।



पसंद के हिसाब से हर तरह की पार्टियों का आयोजन किया जाता है। चाहे रॉयल हो या आधुनिक, शांत या उत्साह के शोर से भरपूर। यहां न्यू ईयर ईव के जश्न का हर रंग मौजूद होता है। जिसे यहां आकर ही फील किया जा सकता है।

गोवा सजने-संवरने लगे हैं सी-बीच: गोवा के समुद्रतटों पर नए साल के जश्न की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि गोवा की सागरतटीय रेत, इस बार भी विदाई पार्टियों की राजधानी बनेगी। अलग-अलग स्पेशल शोज के साथ निजी बीच क्लबों की झुमती दीजे नाइट्स की टिकटें रिकॉर्ड बुकिंग के साथ बीते सालों की तरह अपने मेहमानों का इंतजार कर रही हैं। लहरों पर लरजती रोशनी, रात भर मस्ती के आलाप में मगन रहने वाली धुनें और समुद्र के किनारे का

बीत रहे साल की विदाई और नए साल के स्वागत का जश्न पूरी दुनिया में उत्साह-उमंग से मनाया जाता है। अपने देश में भी न्यू ईयर ईव को पूरे जोश-ओ-खरोश के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। देश के अलग-अलग स्थानों, खासकर टूरिस्ट प्लेसेस पर कैसी हो रही न्यू ईयर ईव के जश्न की तैयारी, आप जरूर जानना चाहेंगे।

न्यू ईयर ईव का जश्न हो रही तैयारी जोरदार

काउंटडाउन, यही है गोवा के न्यू ईयर ईव के जश्न का जलवा। गोवा प्रायः हर साल ही देश में खासतौर पर जश्न-ए-विदाई का मेन सेंटर बन जाता है।

मुंबई सपनों के शहर में शानदार स्वागत: गेट वे ऑफ इंडिया की भव्य लाइटिंग, मरीन ड्राइव के किनारे लोगों का हजूम और क्लबों में थिरकती थीम पार्टियां। मुंबई 2025 की विदाई के लिए क्रिस्टल काउंटडाउन थीम डिजाइड की गई है। न्यूऑन सेटअप, हाई वोल्टेज म्यूजिक और मध्य रात की आतिशबाजियां मिलकर, इस शहर की तेज रफ्तार



जिंदगी को कुछ और ही रहस्यमयी रौनक से लबरेज करती है। यहां सिर्फ पार्टियां ही नहीं होतीं, एक ग्लोबल तेवर के साथ नए साल का सेलिब्रेशन भी संपन्न होता है।

पुडुचेरी सौम्य-संस्कारों भरी विदाई: जो लोग शांति और सौम्यता में खुशी का एहसास करना चाहते हैं, उनके लिए उपयुक्त जगह है पुडुचेरी। पुडुचेरी भी साल 2025 की विदाई पार्टियों की तैयारी जोर-शोर से पूरी करने में लगा है। फ्रेंच क्वार्टर्स में जैज नाइट्स, आश्रमों में मेडिटेशन संध्या और रॉक बीच पर कैडल-लिट-वॉक, ये सब यहां की न्यू ईयर हलचल को एक अलग ही रंग देते हैं। यहां का जश्न उन लोगों की पहली पसंद होता है, जो साल का स्वागत शोर से नहीं, अपने भीतर की गुंजती शांति और दमकती आभा के साथ करना चाहते हैं।



शिमला-मनाली बर्फ की चादर में खुशियों के रंग: उत्तर भारत के पर्वतीय शहरों में शिमला जैसा नए साल के उत्सव का जलवा किसी दूसरे शहर को नसीब नहीं है। इस बार यहां स्नो फेयरवेल नाइट्स की जोरदार तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। शिमला का ही एक्स्टेंशन मनाली को माना जाता है। इसलिए इसे शिमला-मनाली जश्न की संज्ञा दी जाती है। यहां 31 दिसंबर की रात अकसर बर्फबारी होती है और यही इस जश्न का क्लाइमेक्स होता है। बर्फबारी के बीच अलाव, मध्यम संगीत और लग्जरी कैप, मनाली-शिमला जश्न के रंग बिल्कुल अलग हैं। यहां न्यू ईयर की पार्टियों का जश्न दिलों में गमाईश भरता है, जिसे शब्द बयां नहीं कर सकते।

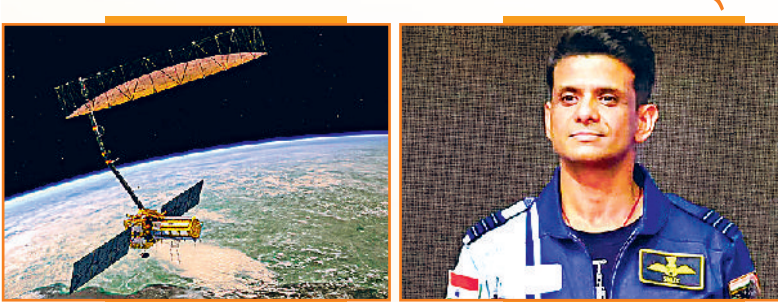
बैंगलुरु तारों की छांव में संगीतमय विदाई: हाल के वर्षों



में बैंगलुरु युवाओं का शहर कहा जाने लगा है और यह हर बार पुराने नियम तोड़कर नए नियम गढ़ता है। इस बार भी इसकी नए साल के जश्न की तैयारी भरपूर हो चुकी है। देश के सिलिकॉन वैली कहे जाने वाले इस शहर में ओपन एयर वेन्यू और रूफ टॉप्स पर इंटी बैंड्स पार्टियों की भरपूर तैयारी है। लाइव डीजे सेट, क्राफ्ट बुअरी नाइट की तैयारियां अपने चरम पर हैं। टेक सिटी का यह अंदाज यहां आने वाले मेहमानों को याद दिलाता है कि नया साल सिर्फ पार्टी नहीं, एक नया और युवा जोश का जश्न है। *

किसी देश की तरक्की मापने का एक पैमाना यह भी होता है कि उस देश ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कितनी तरक्की की है? भारत के लिए विज्ञान-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में स्तर्धिम उपलब्धियों से भरा रहा साल 2025। इस वर्ष देश की उपलब्धियों पर एक नजर।

साइंस और टेक्नोलॉजी-2025 साल की शानदार अचीवमेंट्स



साइंस-टेक संजय श्रीवास्तव

इस साल हमने दुनिया को यह दिखा दिया कि विज्ञान, तकनीक और उससे जुड़े क्षेत्रों में प्रगति के मामले में हम किसी के कम नहीं। इस साल देश ने विज्ञान, तकनीक, पर्यावरण तथा कृषि जैसे क्षेत्रों में जो उपलब्धियां हासिल कीं वे अभूतपूर्व हैं। भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा संबंधित क्षेत्रों में जिस तरह प्रगति कर रहा है, जल्द ही वह संसार के चुनिंदा विकसित देशों की बराबरी करने लगेगा। बेशक इसमें सरकार की नीतियों, हमारे वैज्ञानिकों और संस्थाओं का सम्मिलित प्रयास शामिल है लेकिन हमें अपने शिक्षा संस्थानों का योगदान भी नहीं भूलना चाहिए।

शुभांशु शुक्ला ने किया गौरवान्वित: शुभांशु शुक्ला इस वर्ष देश ही नहीं, दुनिया भर में चर्चा के केंद्र में रहे। एक्सओम-4 मिशन का हिस्सा बने भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने।

युवा प्रतिभाओं की भूमिका पर जोर: इस बार राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय था, 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व हेतु भारतीय युवाओं को सशक्त करना'। यह देखना सुखद था कि सरकार ने इस नारे के उद्देश्य को जमीन पर उतारा तथा युवा प्रतिभाओं की भूमिका पर जोर दिया। इसके चलते नवाचारों में उल्लेखनीय बढ़त दिखी। सरकार का सबसे ज्यादा जोर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, एआई तथा अन्य महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियों पर रहा। सरकार ने वैश्विक आपूर्ति

लाकर डॉक किया। ऐसा करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन गया। 30 जुलाई को जीएसएलवी एफ 16 रॉकेट के माध्यम से नासा इसरो सिंथेटिक अपचर रडार, निसार उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया जो पृथ्वी अवलोकन उपग्रह आपदा प्रबंधन, पारिस्थितिकी तंत्र निगरानी और जलवायु परिवर्तन के अध्ययन में मदद करेगा। अभी कुछ ही दिन पहले अमेरिका के करीब छह टन वजनी संचार उपग्रह को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। कुल मिलाकर भारत को वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में और मजबूत करने वाले इसरो ने 2025 में 200 से अधिक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं।

डीआरडीओ ने बढ़ाई रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता: रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और टाटा जैसे स्वदेशी तकनीकी स्टार्टअप्स ने मिलकर रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की। इन उपलब्धियों ने थलसेना, वायुसेना और नौसेना की परिचालन क्षमताओं को काफी बढ़ाया। 2 दिसंबर 2025 को डीआरडीओ ने सशस्त्र बलों को घरेलू स्तर पर विकसित सात प्रयोगिकियां सौंपीं। टाटा-डीआरडीओ ने जल, थल दोनों पर चलने वाला बख्तरबंद वाहन विकसित किया है, इसके द्वारा विकसित इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित हथियार प्रशिक्षण प्रणाली और युद्ध सिमुलेशन ने प्रशिक्षण को और अधिक



प्रभावी बना दिया। डीआरडीओ ने वायु सेना के लिए एयरबोर्न सेल्फ-प्रोटेक्शन जैमर हेतु स्वदेशी हाई-वोल्टेज बिजली आपूर्ति प्रणाली विकसित किया। भारतीय नौसेना को डीआरडीओ ने ऐसी समुद्री जल बैटरी प्रणाली सौंपी है जिसे जल अंतर्गत भी इसी साल दिखा, देश ने अंतरिक्ष मिशनों के लिए डिजाइन किया अपना पहला स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर 'विक्रम 32' विकसित और प्रदर्शित किया गया। यह उपलब्धि देश को सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाएगा। इससे देश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और रक्षा प्रणालियों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में वैश्विक खिलाड़ी के रूप में स्थापित हो सकेगा।

इसरो की उल्लेखनीय उपलब्धियां: हर साल की तरह अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित होने के कई अवसर दिए। इसरो ने इस वर्ष की शुरुआत में 16 जनवरी को, अपना पहला ऑन-ऑर्बिट डॉकिंग प्रयोग स्पेडैक्स सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसके तहत लगभग 28,400 किमी प्रतिघंटा की गति से यात्रा करने वाले दो उपग्रहों को साथ

बॉलीवुड-2025 कैलाश सिंह

बीत रहे साल में जहां कुछ फिल्मों ने उम्मीद से अधिक सक्सेस हासिल की, वहीं कुछ बिग बजट-बैनर की फिल्मों भी कोई कमाल नहीं दिखा सकीं। फिल्मों के प्रति दर्शकों के टेस्ट में आए बदलाव की वजहें और इस साल रिलीज फिल्मों-ओटीटी शोज पर एक नजर।

बीते कई सालों की तरह 2025 भी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लिए मिला-जुला रहा। कई बड़े बजट की फिल्में फ्लॉप रहीं तो कुछ छोटे बजट की फिल्में भी सक्सेसफुल रहीं। इस साल थिएटर में फिल्म देखने के संदर्भ में दर्शकों की घटती रुचि के बारे में कई प्रकार की चर्चाएं भी हुईं। सिनेमाघर मालिक सारे साल यह बहस करते रहे कि दर्शकों का थिएटर से दूर होने के पीछे का असल मुद्दा, फिल्मों का निरंतरता के साथ रिलीज न होना है। हाल के वर्षों में सात फिल्मों ने 500 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की, जिससे सिद्ध होता है कि अच्छी फिल्मों की मांग अब भी बहुत है। लेकिन जब एक के बाद दूसरी रिलीज में बहुत फासला बढ़ जाता है, तो दर्शकों की सिनेमाघर में आने की दिलचस्पी कम हो जाती है। विशेषपक्ष का कहना है 'धुरंधर' रही साल की सर्वाधिक सफल फिल्म कि अगर फिल्म निरंतरता के साथ रिलीज हों तो कंडीशन सुधर सकती है। कई वितरकों का तर्क है कि अधिक टेक्स के कारण टिकट्स के दाम बढ़ गए हैं, जिससे दर्शक सिनेमाघरों की तरफ कदम नहीं बढ़ा रहे हैं।

बदल रही दर्शकों की पसंद: चेन्नई के एक कार्यक्रम में अभिनेता कमल हासन ने कहा, 'आज क्षेत्रीय, नया राष्ट्रीय बन गया है और देशज, नया अंतरराष्ट्रीय। जो कहानियां मधुर, मालापुरम, मांड्या या मछलीपट्टनम में जन्म ले रही हैं, वह अब क्षेत्रीय सिनेमा नहीं है, वे राष्ट्रीय सांस्कृतिक घटनाएं हैं। एक फिल्म जिसकी जड़ें तटीय रेस्टिनेशन: ब्लडलाइंस' पूरे देश में पसंद की जाती है।' भारतीय मनोरंजन के बदलते लैंडस्केप और ओटीटी की बढ़ती प्रासंगिकता के बारे में हासन का कहना है, 'भारत का मीडिया और मनोरंजन बदल रहा है। आज की कहानियां वास्तव में दर्शक के साथ यात्रा करती हैं।' नहीं चला कोई स्पेशल जॉनर: इस साल दर्शकों द्वारा पसंद की गई फिल्मों की बात करें तो

तब न्यू ईयर बन जाएगा हेल्दी-हैप्पी-सक्सेसफुल

नया साल शुरू होने में कुछ ही दिन बचे हैं। आप जरूर सोच रहे होंगे कि आने वाले साल में ऐसा क्या करें, जिससे पूरा साल आपके लिए हेल्दी, हैप्पी और सक्सेसफुल साबित हो। हम दे रहे हैं, इससे रिलेटेड सजेरांस।

सजेशन / अंजु जैन

जाता हुआ साल हमारे मन में कुछ शिकायतें और अधूरी उम्मीदें छोड़ जाता है। बीता हुआ वक्त तो वापस आ नहीं सकता, इसलिए उसके बारे में सोचकर परेशान होने की बजाय हम बीते साल की कमियों और गलतियों की समीक्षा करें और आने वाले साल उन्हें सुधार लें तो हम नव वर्ष को हैप्पी बना सकते हैं।

रिलेशनशिप में बनी रहे गर्माहट

हमारे दिग्-गर्द रहने वाले मित्र, परिवार के सदस्य, रिश्तेदार, सहकर्मी, सहपाठी, बिजनेस पार्टनर और पड़ोसी आदि हमारे जीवन को काफी हद तक प्रभावित करते हैं। इन सारे रिश्तों पर सरसरी तौर पर नजर डालें और समीक्षा करें। विचार करें कि आपने इनके लिए पूरे साल क्या किया और बदले में उन्होंने आपके साथ कैसा व्यवहार किया?

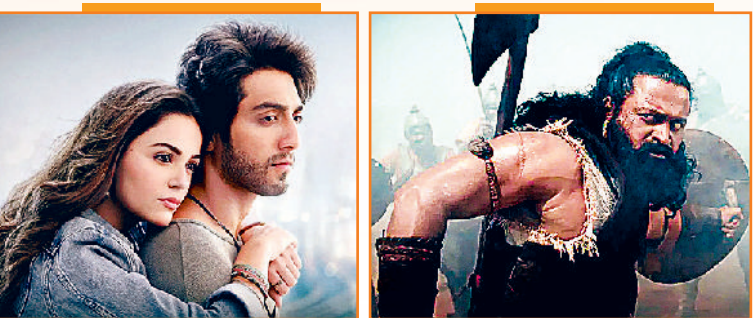
एक्शन: नए साल में इन सारे रिश्तों को आप प्राथमिकता के आधार पर कैटेगराइज करें। जिनसे आपको नेगेटिव रिएक्शन मिला, उन्हें सबसे निचले पायदान पर रखें। सहयोगी, स्नेहिल और केयरिंग लोगों को सर्वोच्च प्राथमिकता की श्रेणी में रखें। तय कर लें कि इस साल आपको सिर्फ पॉजिटिव एटीट्यूड और सपोर्टिंग नेचर वाले रिश्तों को मेंटन करने में ही अपनी एनर्जी का उपयोग करना है। इससे आप साल भर इमोशनली खुश रहेंगे, आपका सपोर्ट सिस्टम स्ट्रॉंग होगा और रिश्ते भी इंप्रूव होंगे।

फिजिकल-मेंटल हेल्थ का रखें ध्यान

अपनी हेल्थ को लेकर खुद से कुछ बुनियादी सवाल पूछें। आपने अंतिम बार कब अपना बीपी चेक करवाया था? आपके हार्ट की हेल्थ का क्या हाल है? क्या आप मॉर्निंग वॉक, वर्कआउट या किसी फिजिकल एक्टिविटी में इवॉल्व हैं? क्या आपको रात को ठीक से नींद नहीं आती है? इन सवालों के जवाब ईमानदारी से दें और अगर जवाब निराशाजनक हैं, तो अब आपको एलर्ट हो जाना चाहिए।

एक्शन: इस बात का इंतजार न करें कि आपको बड़ी बीमारी घेर ले। ज्यादा देर न करके साल की शुरूआत में ही अपने जनरल फिजिशियन से मिलें और अपना हेल्थ चेक करवाएं। पक्का निश्चय कर लें कि आप रोज 30 मिनट किसी न किसी प्रकार की फिजिकल एक्टिविटी में जरूर इवॉल्व होंगे।

इस साल थिएटर-ओटीटी पर किन फिल्मों ने मचाया धमाल



'सैयारा' दर्शकों ने खूब किया पसंद

हॉरर जॉनर ने प्रभाव अवश्य छोड़ा, लेकिन किसी विशेष जॉनर ने सिनेमा में राज नहीं किया। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में 'हॉलीवुड' की अलग-अलग जॉनर की फिल्में देश के विभिन्न हिस्सों में रिलीज की गईं, लेकिन अतीत की तरह किसी खास जॉनर-हॉरर, ड्रामा या सुपरहीरो ने सफलता की गारंटी नहीं दी। आज दर्शक बहुत अधिक चुड़ी हो गए हैं और सिनेमाघर में तभी जाते हैं, जब फिल्म उनकी उम्मीदों के अनुरूप हो। इस नजरिए से 'इंटरस्टेलर' के री-रिलीज को देख सकते हैं, जो भारत में 2025 में सबसे अधिक कमाई करने वाली हॉलीवुड फिल्म बनी और नई रिलीज से भी आगे निकल गई। 'इंटरस्टेलर' के अतिरिक्त जिन ग्लोबल फिल्मों को इस साल पसंद किया गया वे हैं, 'एफ1', 'जुरासिक वर्ल्ड', 'मिशन इंपॉसिबल', 'द कांजुरिंग', 'डेमन स्ल्येर' और 'फाइनल डेस्टिनेशन: ब्लडलाइंस'।

इस साल रिलीज सफल फिल्में: बात अगर इस साल रिलीज देश में बनी सफल फिल्मों की करें तो 'कांतारा: ए लीजेंड चैप्टर 1' भारतीय दर्शकों की सबसे पसंदीदा फिल्म बनी। इस फिल्म को 6 लाख लोगों ने दोबारा देखा। एडवॉंस बुकिंग की बात करें तो 'कुली' फिल्म की 2.4

'कांतारा' साल की सबसे सफल फिल्मों में से एक मिलियन सीटें पहले से रिजर्व की गईं। अन्य फिल्में, जिन्हें दर्शकों ने इस साल खूब पसंद किया वो थीं, 'छाब', 'सैयारा', 'महावतार नरसिम्हा', 'लोखा', 'युधरुम', 'वॉर-2', 'सितारे जमीन पर' और 'धुरंधर'।

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन: बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से देखें तो दशहरे के सप्ताहंत पर सबसे ज्यादा फिल्में देखी गईं। उस दौरान 6.3 मिलियन टिकट बिके, जो फिल्में अक्टूबर 2025 में रिलीज हुईं, उन्होंने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 1,669 करोड़ रुपए की कमाई की। जनवरी से अक्टूबर 2025 तक कुल मिलाकर 11,077 करोड़ रुपए की कमाई हुई, जोकि 2024 की इसी अवधि की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक रही। अभी तक सबसे अधिक कमाई (735 करोड़ रुपए) 'कांतारा: ए लीजेंड चैप्टर 1' ने की। हालांकि 'धुरंधर', बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बेस पर 'कांतारा' को भी पीछे छोड़ कर इस साल की सबसे अधिक कमाई वाली फिल्म बन गई है।

री-रिलीज फिल्में भी की गई पसंद: इस साल बॉक्स ऑफिस पर पुरानी री-रिलीज फिल्मों का भी बोलबाला रहा। इन फिल्मों ने नॉस्टेल्जिया की वजह से दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। इस सिलसिले में हैदराबाद भारत का री-रिलीज कैपिटल रहा। 'ये जवानी है दीवानी', 'सनम तेरी कसम', 'सालार', 'आदू' और 'रामाबनम' जैसी टॉप थ्रिलर फिल्में सबसे सफल रहीं। *

टॉप ट्रेडिंग ओटीटी शोज

बीते कुछ वर्षों में एंटरटेनमेंट की एक समानांतर दुनिया विकसित हुई है। इन दिनों थिएटर में रिलीज फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी शोज को भी दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड', 'ब्लैक वॉटर', 'पाताल लोक (सीजन 2)', 'पंचायत (सीजन 4)', 'जंगल मर्डर्स', 'खौफ', 'स्पेशल ऑप्स (सीजन 2)', 'खाकी : द बंगाल चैप्टर', 'द फैमिली मैन (सीजन 3)' और 'किंगडम जस्टिस: ए फैमिली मैट' जैसे ओटीटी शोज को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

दर्शकों को भाया 'द फैमिली मैन' (सीजन 3)